हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 13)(एक तिनका)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1:
नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए।

जैसे एक तिनका आँख में मेरी पड़ा – मेरी आँख में एक तिनका पड़ा।

मूँठ देने लोग कपड़े की लगे – लोग कपड़े की मूँठ देने लगे।

उत्तर 1:
क: एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा

क: एक दिन मैं मुंडेर पर खड़ा था ।

ख: लाल होकर आँख भी दुखने लगी

ख: मेरी ऑख लाल होकर दुखने लगी ।

ग: ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी

ग: मेरी ऐंठ दबे पॉव भाग गई ।

घ: जब किसी ढब से निकल तिनका गया

घ: किसी तरह से तिनका निकल गया ।

प्रश्न 2:
एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?

उत्तर 2:
एक तिनका कविता में एक व्यक्ति के ऑख में तिनका गिरने की चर्चा की गई है जिसके द्वारा उसे यह अहसास कराया गया है कि कोई कितना भी बड़ क्यों न हो जाए एक छोटी सी वस्तु भी उसे यह बताने के लिए काफी है वह भी उसकी अकड़ को निकाल सकती है ।

प्रश्न 3:
आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई ?

उत्तर 3:
आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी दर्द से बेचैन हो गया उसकी आँख भी लाल होकर दुखने लगी ।तब उसकी समझ ने उसे ताने देते हुए कहा कि एक छोटे से तिनके ने तेरी अकड़ को निकाल दिया ।

प्रश्न 4:
घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने क्या किया ?

उत्तर 4:
घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास के लोगों ने उसकी आँख में कपड़े की मूँठ बनाकर लगाई ओर तिनका निकाल दिया ।

प्रश्न 5:
'एक तिनका' कविता में घमंडी को उसकी 'समझ' ने चेतावनी दी –
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।
इसी प्रकार की चेतावनी कबीर ने भी दी है –

उत्तर 5:
तिनका कबहूँ न निंदिए, पाँव तले जो होय।
कबहूँ उड़ि आँखिन परै, पीर घनेरी होय।।